International Journal of Education, Modern Management, Applied Science & Social Science (IJEMMASSS)
ISSN : 2581-9925, Impact Factor: 6.882, Volume 04, No. 04(I), October - December, 2022, pp. 239-242

वैश्वीकरण के दौर में जयपुर शहर में पर्यटन की स्थिति (वर्ष 2012 से वर्ष 2020)

भागोती मीना*

सार

पर्यटन एक अवकाश एवं मौजमस्ती सम्बन्धी कार्यकलाप है जो हमारे रोजमर्रा के नियमित एवं सुसंगठित कार्य और रूटीन क्रियाओं से भिन्न होता है। राजस्थान में सर्वाधिक विदेशी पर्यटक जयपुर शहर घूमने आते है। यहां सर्वाधिक विदेशी पर्यटक फ्रांस एवं ब्रिटेन से आते है। 04 मार्च, 1989 को पर्यटन उधोग का दर्जा प्राप्त करने वाला राजस्थान भारत का प्रथम राज्य था। अकेले जयपुर में 2020–2021 में 6,14,514 घरेलू तथा 1,80,358 विदेशी पर्यटक आये है। वर्ष 2021–2022 में 9,92,014 घरेलू तथा 14,717 विदेशी पर्यटक आये है। वर्ष 2021 में विदेशी पर्यटन पर कोविड–19 का प्रभाव स्पष्ट दिखाई दे रहा है। वर्ष 2019 में जयपुर में घरेलू पर्यटक 17,27,695 तथा विदेशी 6,46,402 पर्यटको ने जयपुर में भ्रमण किया। इस प्रकार 2012 से 2018 तक घरेलू तथा विदेशी पर्यटको की संख्या में वृद्धि हुई है तथा 2019–2021 तक जयपुर शहर के पर्यटन में वैश्विक महामारी कोविड–19 के कारण गिरावट आई है। वर्ष 2017–2021 तक जयपुर शहर में विभिन्न देशों से आने वाले पर्यटको के अध्ययन से पता चलता है कि जयपुर मे यू.के. और यू.एस.ए. से सर्वाधिक पर्यटक भ्रमण के लिए आते है। सबसे कम पर्यटक पाकिस्तान से आते है।

शब्दकोशः *वैश्वीकरण, जयपुर, पर्यटन, पर्यटक, स्वदेशी, विदेशी।*

प्रस्तावना

''जयपुर'' राजस्थान की राजधानी है। जयपुर जिला राजस्थान के पूर्वी भाग में $26^0$23′ से $27^0$51′ उत्तरी अंक्षाशों तथा $74^0$55′ से $76^0$50′ पूर्वी देशान्तरों के बीच स्थित है। जयपुर में कला एवं संस्कृति को समर्पित जयपुर कत्थक केन्द्र, जवाहर कला केन्द्र, रवीन्द्र मंच, राजस्थान सूचना केन्द्र, बायो टैक्नोलॉजिकल पार्क एवं आई.टी. पार्क स्थित हैं। जयपुर नगर की स्थापना 18 नवम्बर 1727 ई0 को आमेर नरेश सवाई जयसिंह द्वारा की गई। जयपुर भारत का एकमात्र ऐसा शहर है जो पूर्वतः भारतीय नगर निर्माण पद्धति पर आधारित होते हुए भी आधुनिकता में सबसे आगे है। स्वयं महाराजा सवाई जयसिंह ज्योतिष गणित तथा नक्षत्र विद्या के ज्ञाता थे। अपने ज्ञान और अनुभव के आधार पर उन्होने जयपुर नगर की योजना बनाई। नगर नियोजन के इस कार्य में बंगाल के विद्वान ब्राह्मण विद्याद्यर भट्टाचार्य की सेवायें भी महाराजा द्वारा ली गई। नवनिर्मित नगर जयपुर में अनेक मंदिर, महल, दुर्ग, चौराहे, सड़के, उद्यान आदि बनवाये गये। पर्यटन की दृष्टि से जयपुर राजस्थान का प्रमुख नगर है। 1734 ई0 में पादरी जोस टाईफेन्थलेर ने जयपुर को भारत का सबसे सुन्दर शहर बताया था। बिशप हीबर ने नगर के परकोटे की तुलना मास्को के क्रेमलिन की दीवारों से की थी। पर्यटन मंत्रालय भारत सरकार ने देश के 12 शहरों के साथ जयपुर का चयन 'स्मार्ट सिटी व हेरिटेज सिटी योजना' के लिए किया है।

* शोध छात्रा, समाजशास्त्र विभाग, राजस्थान विश्वविधालय, जयपुर, राजस्थान।

पर्यटन एवं पर्यटक परिचय

पर्यटन शब्द का अंग्रेजी अनुवाद 'Tourism' है एवं इसका सम्बन्ध Tour' से है। Tourism' या पर्यटन शब्द के अंतर्गत समस्त व्यापारिक क्रियाऐं सम्मिलित है, जो यात्रियों की आवश्यकताओं की पूर्ति करती है। किसी भी यात्रा को पर्यटन तब कहा जायेगा जब 'यात्रा अस्थायी एवं ऐच्छिक है। यात्रा का उद्देश्य किसी भी प्रकार का पारिश्रमिक प्राप्त करना नहीं है।

विश्व पर्यटन संगठन (WTO) ने पर्यटन को 'व्यक्तियों' की अवकाश, कारोबार या अन्य प्रयोजनों से एक वर्ष से कम अवधि के लिए उसके सामान्य परिवेश से अलग किसी स्थान की यात्रा का ठहराव से सम्बन्धित कार्यकलाप' के रूप में परिभाषित किया है।

इस प्रकार पर्यटन देश–विदेश की भौगोलिक सांस्कृतिक, सामाजिक जानकारी के आदान–प्रदान की ऐसी क्रिया है जिससे भिन्न–भिन्न लोगों से मेल–मिलाप ही नहीं होता बल्कि व्यक्ति को प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से ऐसा ज्ञान भी प्राप्त होता है जो अन्य किसी स्त्रोत से नहीं मिल सकता।

पर्यटक

पर्यटन की आधारभूत इकाई पर्यटक है। यह एक ऐसा यात्री है जो अन्य लोगों से मिलने का जोखिम उठाता है, अन्य लोगों की संस्कृति और सामाजिक नियमों के सम्बन्ध में ज्ञान प्राप्त करने के लिये विभिन्न स्थानों का भ्रमण करता है। अनुग्रह के लिये यात्रा करने वाला व्यक्ति ही पर्यटक कहलाता है। परिभाषित रूप में व्यक्तिगत स्वतंत्रता के साथ आमोद–प्रमोद, मनोरंजन, ज्ञान–संग्रह एवं कभी–कभी व्यावसायिक उद्देश्यों की पूर्ति हेतु एक अल्प एवं निश्चित अवधि के लिये यात्रा या भ्रमण करने वाला व्यक्ति ही पर्यटक की श्रेणी में आता है। पर्यटकों की मुख्यतः दो श्रेणी होती है।

- **विदेशी पर्यटकः** जो अपने जन्मजात देश से अन्यत्र किसी देश में 24 घंटे से अधिक एवं 6 माह से कम का समय व्यतीत करता है, होटलों में ठहरता है तथा अपनी मुद्रा में धन खर्च करता है। धन कमाने के उद्देश्य से कार्य करने तथा शिक्षा ग्रहण करने हेतु आने वाला विदेशी व्यक्ति पर्यटक की श्रेणी में नहीं रखा जा सकता।
- **घरेलू पर्यटकः** जो अपने ही देश के अन्दर अपने निवास स्थल/शहर के अतिरिक्त किसी अन्य स्थान पर कम से कम 24 घण्टे या एक रात रहता है और किसी लाभप्रद कार्य के उद्देश्य के अतिरिक्त किसी अन्य ध्येय से भ्रमण करता है।

शोध उद्देश्य

- जयपुर शहर में आने वाले पर्यटकों की संख्या ज्ञात करना
- जयपुर शहर के विकास में पर्यटन का योगदान

शोध प्रविधि

जयपुर शहर के विकास में पर्यटन का योगदान के लिए द्वितियक स्त्रोतों, पर्यटन मंत्रालय राजस्थान सरकार की वार्षिक रिपोर्ट, पत्र–पत्रिकायें, पुस्तकें, पर्यटन की वेबसाइट की सहायता लेकर जयपुर में पर्यटन की स्थिति का पता लगाने का प्रयास करेगें।

जयपुर शहर के प्रमुख पर्यटन स्थल

क्र.सं.	पर्यटन स्थल	स्वरूप
1	जंतर–मंतर	ऐतिहासिक स्थल
2	हवामहल	ऐतिहासिक स्थल
3	सिटी पैलेस	ऐतिहासिक स्थल
4	अल्बर्ट हॉल	ऐतिहासिक स्थल
5	नाहरगढ़ दुर्ग	ऐतिहासिक स्थल

6	आमेर किला	ऐतिहासिक स्थल
7	जयगढ़ किला	ऐतिहासिक स्थल
8	सिसोदिया रानी का बाग	ऐतिहासिक स्थल
9	विद्याधर का बाग	ऐतिहासिक स्थल
10	गलता जी	धार्मिक स्थल
11	गोविन्द देवजी	धार्मिक स्थल
12	मोतीडूँगरी गणेश मंदिर	धार्मिक स्थल
13	बिरला मन्दिर	धार्मिक स्थल
14	कुलिश स्मृति वन	प्राकृतिक स्थल
15	झालानी सफारी पार्क	प्राकृतिक स्थल
16	रामनिवास उद्यान	प्राकृतिक स्थल
17	नाहरगढ़ बायलोजिकल पार्क	प्राकृतिक स्थल
18	जल महल	प्राकृतिक स्थल/प्राकृतिक स्थल
19	फन किगंडम	मनोरंजन स्थल
18	राजमन्दिर	मनोरंजन स्थल
19	जवाहर कला केन्द्र	कला प्रदर्शन केन्द्र
20	रविन्द्र मंच	कला प्रदर्शन केन्द्र

जयपुर शहर में 2012–2020 तक आये स्वदेशी और विदेशी पर्यटकों का विवरण

वर्ष	स्वदेशी पर्यटक		विदेशी पर्यटक		कुल पर्यटक
	संख्या	प्रतिशत	संख्या	प्रतिशत	
2012	998703	65.14	534256	34.85	1532959
2013	1104905	66.10	566429	33.89	1671334
2014	1170152	67.31	568234	32.68	1738386
2015	1201152	66.80	596756	33.19	1797908
2016	1544730	73.18	565978	26.81	2110708
2017	1702665	96.37	63990	36.22	1766655
2018	1787836	72.40	681227	27.59	2469063
2019	1727695	72.77	646402	27.22	2374097
2020	614514	77.30	180358	22.69	794872

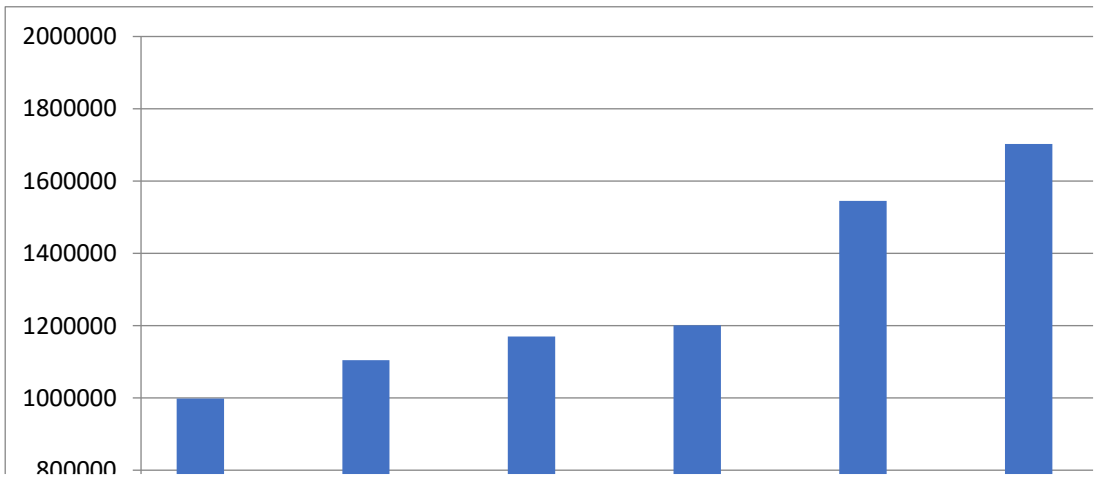

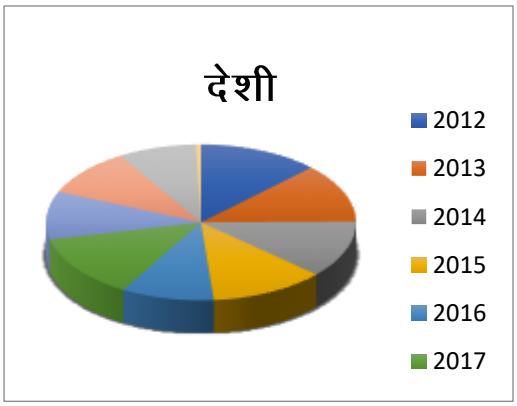

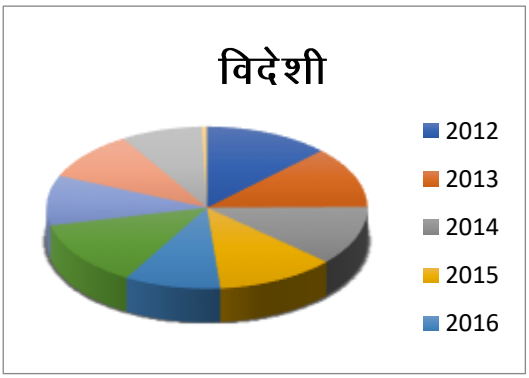

निष्कर्ष

निष्कर्ष रूप में यह कहा जा सकता है कि संबंधित अध्ययन क्षेत्र जयपुर में राजस्थान के अन्य शहरों की अपेक्षा सर्वाधिक पर्यटक भ्रमण हेतु आते है। भ्रमण हेतु आने वाले पर्यटक जयपुर शहर की विरासत, संस्कृति, धार्मिक स्थल तथा प्राकृतिक पर्यटक स्थलों की ओर आकर्षित होते है। अध्ययनानुसार जयपुर में माह अक्टूबर से जनवरी तक सर्वाधिक पर्यटक आते है। इनमें भी माह दिसम्बर में विदेशी पर्यटको की संख्या वर्ष के अन्य महिनों से अधिक होती है।

संदर्भ ग्रंथ सूची

1. राजेश कुमार व्यासः भारत में पर्यटन, प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली, वर्ष 2017 ISO *9001:2008*
2. डा0 मोहनलाल गुप्ताः राजस्थान में पर्यटक, उद्भव विकास एवं वर्तमान स्थिति, शुभदा प्रकाशन, जोधपुर, वर्ष 2016
3. डा0 मोहनलाल गुप्ताः जयपुर संभाग का जिलेवार सांस्कृतिक एवं ऐतिहासिक अध्ययन, राजस्थानी ग्रन्थागार, जोधपुर, वर्ष 2015
4. अतुल जोशी, अमित कुमार, महिमा जोशीः भारत में आधुनिक पर्यटन, वर्ष– 2010, ISBN 81-316-0299-0
5. राधेश्याम जोशीः राजस्थान दर्शन, प्राईम पब्लिकेशन्स, भीलवाडा, वर्ष–2000
6. विमल कुमार कपूरः पर्यटन प्रबंध एवं मानव संसाधन विकास, रजत प्रकाशन, नई दिल्ली, वर्ष–2008
7. हरिशंकर गुप्ता : राजस्थान में पर्यटन विकासः एक अध्ययन–शोध लेख, वर्ष–2019
8. प्रगति प्रतिवेदन 2020–21 पर्यटन विभाग, राजस्थान

❖◆❖